



॥ श्री कुबेर क्षमा प्रार्थना ॥
॥ श्री कुबेराय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री कुबेर क्षमा प्रार्थना ॥

हे धनाध्यक्ष, यक्षराज, वैश्रवण, अलकापुरी के अधिपति श्री कुबेर
भगवान!

मैं श्रद्धापूर्वक आपको सादर प्रणाम करता/करती हूँ।
यदि मेरी पूजा, जप, ध्यान, स्तुति, आराधना अथवा उपासना में किसी
प्रकार की त्रुटि, अशुद्धि, भूल या नियमों का उल्लंघन हुआ हो, तो कृपया
अपनी असीम करुणा से मुझे क्षमा करें।

हे प्रभु! आप धर्मसम्मत धन, ऐश्वर्य, सौभाग्य और समृद्धि के दाता हैं।
मुझे ऐसा धन प्रदान करें जो सत्य, परिश्रम और धर्म के मार्ग से प्राप्त हो
तथा जिसका उपयोग सदैव लोककल्याण, सेवा और दान में हो।
मेरे हृदय से लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या और अन्य सभी दुर्गुणों का नाश
करें। मेरे भीतर संतोष, विनम्रता, विवेक, दया और उदारता का संचार
करें।

मेरे परिवार में सुख, शांति, आरोग्य, अन्न, धन, सद्बुद्धि और मंगल का
सदैव वास रहे। मेरे जीवन की आर्थिक बाधाओं को दूर कर परिश्रम के
अनुरूप सफलता और स्थिर समृद्धि प्रदान करें।
भगवान शिव और माता लक्ष्मी की कृपा भी मुझ पर बनी रहे तथा मैं
सदैव धर्म, सत्य और सेवा के मार्ग पर चलता/चलती रहूँ।

अब मैं विनम्र भाव से यह प्रार्थना करता/करती हूँ—
अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व धनद प्रभो॥
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥

हे करुणामय श्री कुबेर! मेरी पूजा को स्वीकार करें, मेरे सभी ज्ञात-
अज्ञात अपराधों को क्षमा करें तथा मुझ पर अपनी कृपा, संरक्षण और
मंगलमयी दृष्टि सदैव बनाए रखें।